संस्कृत खंड
प्रथमः पाठः वाराणसी

अभ्यास

(अ) तथ्यात्मक

1. निम्नलिखित का सन्दर्भ सहित हिंदी में अनुवाद कीजिए–

(क) वाराणसी सुविख्याता ..... विलोक्य इमां बहुप्रशंसन्ति।

[**सुविख्याता** = सुप्रसिद्ध, **सलिल** = जल, **कूले** = किनारे पर, **घट्टानां** = घाटों की, **वलयाकृतिः** = घुमावदार आकार वाली, **चन्द्रिकायाम्** = चाँदनी में, **राजते** = सुशोभित होती है, **विलोक्य** = देखकर।]

सन्दर्भ– प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक 'हिंदी' के 'संस्कृत खंड' के 'वाराणसी' नामक पाठ से उद्धृत है।

अनुवाद– वाराणसी बहुत प्राचीन नगरी है। यह स्वच्छ जल की तरंगों वाली गंगा के किनारे स्थित है। इसके घाटों की घुमावदार आकृति वाली पंक्ति श्वेत चाँदनी में बहुत सुंदर लगती है। दूर देशों के असंख्य यात्री प्रतिदिन यहाँ आते हैं और इसके घाटों की सुंदरता देखकर इसकी बहुत प्रशंसा करते हैं।

(ख) एषा नगरी भारतीयसंस्कृतेः ..... अनुवादः पारसीभाषायां कारितः।

[**इत एव** = यहीं से, **संस्कृतेश्च** = संस्कृति का, **आलोकः** = प्रकाश, **प्रसृतः** = फैला है, **उपनिषदाम्** = उपनिषदों के, **कारितः** = कराया।]

सन्दर्भ– पूर्ववत्

अनुवाद– यह नगरी भारतीय संस्कृति और संस्कृत भाषा की केंद्रस्थली है। यहीं से संस्कृत साहित्य और संस्कृति का प्रकाश सब जगह फैला है। मुगल युवराज दारा शिकोह ने यहाँ आकर भारतीय-दर्शन-शास्त्रों का अध्ययन किया। वह उनके ज्ञान से ऐसा प्रभावित हुआ कि उन उपनिषदों का अनुवाद फारसी भाषा में कराया।

(ग) मरणं मङ्गलं यत्र ..... काशी केन मीयते।

[**विभूति** = भस्म, **विभूषणम्** = आभूषण है, **कौपीनं** = लँगोटी, **कौशेयं** = रेशमी वस्त्र, **मीयते** = मापी जा सकती है।]

सन्दर्भ– प्रस्तुत श्लोक हमारी पाठ्य पुस्तक 'हिंदी' के 'संस्कृत खंड' के 'वाराणसी' नामक पाठ से उद्धृत है।

अनुवाद– जहाँ पर मरना कल्याणकारी समझा जाता है, जहाँ भस्म ही आभूषण है, जहाँ लँगोटी ही रेशमी वस्त्र है, वह काशी किसके द्वारा मापी जा सकती है? अर्थात् उसकी तुलना किससे की जा सकती है? तात्पर्य यह है कि किसी से भी नहीं।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए–

(क) वाराणसी नगरी कस्याः नद्याः कूले स्थिता?

उ०– वाराणसी नगरी गङ्गायाः नद्याः कूले स्थिता।

(ख) वाराणसी कस्याः भाषायाः केंद्रम् अस्ति?

उ०– वाराणसी संस्कृतभाषायाः केन्द्रम् अस्ति।

(ग) कः मुगलयुवराजः वाराणस्याम् आगस्य भारतीय दर्शनशास्त्राणाम् अध्ययनम् अकरोत्?

उ०– मुगलयुवराजः दाराशिकोहः वाराणस्याम् आगत्य भारतीय दर्शनशास्त्राणाम् अध्ययन् अकरोत् ।

(घ) सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालयः कस्यां नगर्यां विद्यते?

उ०– सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालयः वाराणस्यां नगर्यां विद्यते।

(ङ) वाराणसी किमर्थं प्रसिद्धा?

उ०– वाराणसी विविधानां शिल्पानां कलानां, संस्कृतभाषायाः, संस्कृतेश्च कृते प्रसिद्धा अस्ति।

(च) वाराणस्यां गेहे गेहे किं द्योतते?

उ०– वाराणस्यां गेहे-गेहे विद्यायाः दिव्यं ज्योतिः द्योतते।

(ब) अनुवादात्मक

निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

1. **वाराणसी बहुत प्राचीन नगरी है।**
   अनुवाद– वाराणसी बहुना प्राचीना नगरी अस्ति।
2. **यहाँ पर प्रतिवर्ष अनेक पर्यटक आते हैं।**
   अनुवाद– अत्र प्रतिवर्षे अनेका: पर्यटका: आयन्ति।
3. **वाराणसी का काशी विश्वनाथ मंदिर बहुत प्रसिद्ध है।**
   अनुवाद– वाराणस्यां काशी विश्वनाथ: मन्दिर: सुविख्याता अस्ति।
4. **वाराणसी में संस्कृत के अध्ययन के लिए प्रचुर व्यवस्था है।**
   अनुवाद– वाराणस्यां संस्कृतस्य अध्ययनाय प्रचुर: व्यवस्था: सन्ति।
5. **यहाँ पर दारा ने भी संस्कृत का अध्ययन किया था।**
   अनुवाद– अत्र दारा अपि संस्कृतस्य अध्ययनम् अकरोत्।
6. **वाराणसी नगरी विविध धर्मों की संगमस्थली है।**
   अनुवाद– वाराणसी नगरी विविध धर्माणां सङ्गमस्थली अस्ति।
7. **दारा ने उपनिषदों का अनुवाद फारसी भाषा में करवाया था।**
   अनुवाद– दारा उपनिषदाम् अनुवाद: पारसीभाषायां अकरोत्।
8. **वाराणसी में मरना मंगलकारी माना गया है।**
   अनुवाद– वाराणस्यां मरणं मङ्गलं अमानयति।

(स) व्याकरणात्मक

1. **निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए–**

संधि शब्द	**संधि-विच्छेद**
विमलसलिलतरङ्गाया:	विमल + सलिल + तरङ्गाया:
चन्द्रिकायां	चन्द्रिका + आयाम्
भारतीया:	भारत + ईया:
उपनिषदाम्	उपनिषद + आम्
महात्मान:	महा + आत्मान्
साहित्ये	स + आहित्ये
कौशेयशाटिका:	कौशेय + शाटिका:
प्राचीनपरम्पराम्	प्राचीन + परम्पराम्

2. **निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए–**

संधि-विच्छेद	**संधि शब्द**
वलय + आकृति:	वलयाकृति:
इति + एते	इत्येते
अत्र + आगत्य:	अत्रागत्य:
विभूति: + च	विभूतिश्च

3. **निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग और प्रत्यय लिखिए–**

शब्द	**उपसर्ग**	**प्रत्यय**
अनुभवति	अनु	इ
अनुकरणीय:	अनु	ईय
कृत्वा:	कृ	त्वा
सदगुणा:	सद्	आ:

(छ) पाठ्येत्तर सक्रियता

विद्यार्थी स्वयं करें।